

१२३

प्रेषक,

किशन नाथ
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

जिलाधिकारी,
चम्पावत,

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून. दिनांक: 20, दिसंबर, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु ऊन तागा बैंक की स्थापना योजनान्तर्गत (जिला योजना) में अवशेष धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 209 / XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 तथा शासनादेश संख्या: 1138 / VII-II-11 / 86—उद्योग / 2008 दिनांक 01 जून, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2011-12 में ऊन, तागा बैंक की स्थापना योजनान्तर्गत अवशेष धनराशि ₹ 1.00 लाख (₹ १ लाख मात्र) की धनराशि जिलाधिकारी चम्पावत के निर्वतन पर व्यय हेतु रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2— उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3— स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2012 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2012 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4— स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा। धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनायें जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित प्लान परिव्यय एवं अनुमोदित योजनाओं पर ही व्यय की जा रही है।

5— स्वीकृत धनराशि जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैकटरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त

— 2 —

विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 31 मार्च, 2011 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

6— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 285.1-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 105-खादी ग्रामोद्योग, 91-जिला योजना, 02-ऊन, तांग बैंक की स्थापना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

7— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 209 / XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 के प्रस्तर-8 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(किशन नाथ)

अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:2580 / VII-II-11 / 86-उद्योग / 2008 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिलिंग, माजरा, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, चम्पावत, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
4. निजी सचिव—मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी / कुमाऊ मण्डल, नैनीताल।
6. निदेशक, उद्योग, निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून।
8. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र / जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, सम्बन्धित जनपद।
9. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
10. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
11. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
13. गार्ड-फाईल।

(किशन नाथ)

अपर सचिव।